UP Board Important Questions Class 9 लोक्तांत्रिक राजनिति Chapter 1 लोकतंत्र क्या? लोकतंत्र क्यों? Loktantrik Rajniti

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न 1.
विश्व के किन्हीं चार लोकतांत्रिक देशों के नाम बताइये।
उत्तर:

- भारत
- संयुक्त राज्य अमेरिका
- ब्रिटेन
- फ्रांस।

प्रश्न 2.
लोकतांत्रिक सरकार की किन्हीं दो विशेषताओं का उल्लेख करें।
उत्तर:

- लोकतंत्र में जनता शासकों का चुनाव करती है।
- इसमें प्रमुख फैसले निर्वाचित नेताओं के हाथ में होते हैं।

प्रश्न 3.
लोकतंत्र के किन्हीं दो गुणों का उल्लेख करें।
उत्तर:

- लोकतांत्रिक शासन अपेक्षाकृत अधिक जवाबदेही वाला शासन है।
- यह मतभेदों और टकरावों को संभालने का तरीका उपलब्ध कराता है।

प्रश्न 4.
लोकतंत्र के किन्हीं दो दोषों का उल्लेख करें।
उत्तर:

- लोकतंत्र एक अस्थिर शासन होता है।
- इसमें फैसले लेने में देरी होती है।

प्रश्न 5.
लोकतंत्र में निर्णय लेने की अंतिम शक्ति किसके पास होनी चाहिए?
उत्तर:
जनता या जनता द्वारा निर्वाचित प्रतिनिधियों के पास।

प्रश्न 6.
ऐसे दो देशों के नाम लिखिये जहाँ बहुदलीय चुनाव होते हैं।
उत्तर:

- भारत
- फ्रांस।

प्रश्न 7.
अब्राहम लिंकन ने लोकतंत्र की क्या परिभाषा दी है?
उत्तर:
अब्राहम लिंकन के अनुसार, लोकतंत्र जनता का, जनता के लिए और जनता द्वारा शासन है।

प्रश्न 8.
सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार से क्या आशय है?
उत्तर:
सभी वयस्क नागरिकों को बिना किसी भेदभाव के मतदान के अधिकार को सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार कहा जाता है।

प्रश्न 9.
आप लोकतंत्र को सरकार के दूसरे रूपों से किस प्रकार अलग करेंगे?
उत्तर:
सरकार के दूसरे रूपों में सभी नागरिकों की राजनैतिक सहभागिता नहीं पायी जाती है जबकि लोकतंत्र सभी नागरिकों की राजनीतिक सहभागिता पर निर्भर करता है।

प्रश्न 10.
लोकतंत्र के दो प्रमुख प्रकार कौनसे हैं?
उत्तर:

- प्रत्यक्ष लोकतंत्र
- अप्रत्यक्ष (प्रतिनिध्यात्मक) लोकतंत्र।

प्रश्न 11.
अलोकतांत्रिक सरकार से क्या आशय है?
उत्तर:
अलोकतांत्रिक सरकार वह सरकार है जिसमें शासक का चुनाव जनता द्वारा नहीं किया जाता और न ही वह जनता के प्रति उत्तरदायी होती है।

प्रश्न 12.
लोकतांत्रिक सरकार के बेहतर फैसले लेने का क्या कारण है?
उत्तर:
लोकतांत्रिक सरकारें व्यापक चर्चा व विचार-विमर्श के बाद ही फैसला लेती हैं। इसलिए इनके फैसले बेहतर होते हैं।

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 13.
क्या समकालीन इराक को लोकतांत्रिक देश कहा जाना चाहिए?
उत्तर:
नहीं। यद्यपि, इराक में एक चुनी हुई सरकार है किन्तु अभी भी यहाँ वास्तविक शक्ति अमेरिका और मित्र देशों के पास ही है, न कि चुने गए प्रतिनिधियों के पास।।

प्रश्न 14.
लोकतांत्रिक सरकार की क्या सीमाएँ हैं?
उत्तर:
लोकतांत्रिक सरकार संवैधानिक कानूनों एवं नागरिक अधिकारों की सीमाओं में रहकर कार्य करती है।

प्रश्न 15.
लोकतंत्र में चुनाव कैसे होने चाहिए?
उत्तर:
लोकतंत्र में चुनाव निष्पक्ष और स्वतंत्र होने चाहिए जिसमें सत्तासीन लोगों के लिए हार-जीत के समान अवसर हों।

प्रश्न 16.
चीन में नियमित रूप से चुनावों का आयोजन होता है। क्या इसे एक लोकतंत्र कहा
जाना चाहिए? क्यों?
उत्तर:
नहीं. नियमित रूप से चनावों के आयोजन के बावजद हम चीन को लोकतंत्र नहीं कह सकते. क्योंकि लोगों के सामने कोई वास्तविक और गंभीर विकल्प नहीं होता।

प्रश्न 17.
मताधिकार लोकतंत्र से किस तरह संबंधित है?
उत्तर:
लोकतंत्र में प्रत्येक वयस्क नागरिक के पास एक मत होना चाहिए तथा प्रत्येक मत का मूल्य समान होना चाहिए।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न 1.
एक उदाहरण द्वारा समझाइये कि एक लोकप्रिय सरकार गैर-लोकतांत्रिक भी हो सकती है।
उत्तर:
जिंबाब्वे में मुगावे की सरकार जनता के बीच बहुत लोकप्रिय है, किन्तु उसने चुनावों में गलत हथकण्डों को अपनाया है, जन-विरोधों और प्रदर्शनों को अवैधानिक घोषित कर दिया। अतः यह लोकप्रिय है, लेकिन वास्तविक अर्थों में लोकतांत्रिक नहीं।

प्रश्न 2.
लोकतंत्र से क्या आशय है? परिभाषित कीजिये।
उत्तर:
लोकतंत्र शासन का एक ऐसा रूप है जिसमें-

- लोगों द्वारा चुने गए शासक ही सारे प्रमुख फैसले करते हैं।

- इसमें चुनाव लोगों के लिए निष्पक्ष अवसर और इतने विकल्प उपलब्ध कराता है कि वे चाहें तो मौजूदा शासकों को बदल सकते हैं।
- यह विकल्प और अवसर सभी लोगों को समान रूप से उपलब्ध होते हैं और
- यह सरकार संवैधानिक कानूनों तथा नागरिक अधिकारों के दायरे को मानते हुए काम करती है।

अब्राहम लिंकन के शब्दों में "लोकतंत्र जनता का, जनता के लिए और जनता द्वारा शासन है।"

प्रश्न 3.
सऊदी अरब और एस्टोनिया लोकतांत्रिक देश क्यों न कहलवा सके?
उत्तर:
लोकतंत्र में वयस्क मताधिकार होना चाहिए तथा प्रत्येक मत का समान मूल्य होना चाहिए। परन्तु सऊदी अरब और एस्टोनिया में इस सिद्धान्त को नहीं अपनाया जाता है। सऊदी अरब में महिलाओं को मत देने का अधिकार नहीं है। एस्टोनिया में रूसी अल्पसंख्यक लोगों को मत देने का अधिकार मुश्किल से मिलता है।

प्रश्न 4.
'लोकतंत्र नागरिकों की प्रतिष्ठा में वृद्धि करता है।' स्पष्ट कीजिए।
उत्तर:
लोकतंत्र नागरिकों की प्रतिष्ठा में वृद्धि करता है क्योंकि-

- यह राजनैतिक समानता के सिद्धान्त पर आधारित है;
- इसमें लोग स्वयं शासक होते हैं तथा
- सरकार नागरिकों के प्रति उत्तरदायी है और यदि वह सही ढंग से कार्य नहीं करती तो लोग उसे बदल सकते हैं।

प्रश्न 5.
क्या आप सहमत हैं कि लोकतंत्र निर्णय लेने की गुणवत्ता को सुधारता है? स्पष्ट कीजिए।
उत्तर:
हाँ, लोकतंत्र निर्णय लेने की गुणवत्ता को सुधारता है, क्योंकि-

- इसमें सदैव विभिन्न स्तरों में लोगों के बीच विचार-विमर्श तथा बैठकों का आयोजन कर जनसमूह के हित में फैसला लिया जाता है।
- इसमें अधिक संख्या में लोगों की सहभागिता के कारण किसी फैसले में किसी संभावित गलती को पहचानने तथा दूर करने की संभावना बढ़ जाती है।

प्रश्न 6.
लोकतंत्र राजशाही और सैनिक शासन से किस तरह भिन्न है? शासन के प्रत्येक रूप का एक उदाहरण भी दीजिए।
उत्तर:
लोकतंत्र सरकार का एक ऐसा रूप है जिसमें शासकों का जनता द्वारा चुनाव किया जाता है; जबकि राजशाही सरकार का वह रूप है जिसमें शासक को शासन का अधिकार जन्म के आधार पर अपने पूर्ववर्ती शासक से प्राप्त होता है और सैनिक शासन में तानाशाह शासक जनता की अनुमति के स्थान पर अपनी शक्ति के बल पर शासन सत्ता हथिया लेता है। लोकतंत्र का उदाहरण संयुक्त राज्य अमेरिका है, तो राजशाही का सऊदी अरब तथा सैनिक शासन का म्यांमार।

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 7.
'एक चुनी हुई सरकार लोकतांत्रिक सरकार सिद्ध करने के लिए पर्याप्त नहीं है।' इसे किन्हीं दो उदाहरणों के साथ स्पष्ट कीजिए।
उत्तर:
लोकतंत्र-लोकतंत्र में चुनी हुई सरकार ही पर्याप्त नहीं होती है बल्कि अंतिम निर्णय लेने की शक्ति भी जनता द्वारा निर्वाचित प्रतिनिधियों के हाथों में होनी चाहिए। इसे निम्नलिखित दो उदाहरणों द्वारा स्पष्ट किया जा सकता है-

- पोलैण्ड की चुनी हुई साम्यवादी सरकार द्वारा लिये जाने वाले फैसलों पर रूस का प्रभाव था।
- इराक की चुनी हुई सरकार होने के बावजूद निर्णय लेने की वास्तविक शक्ति अमेरिका और उसके मित्र राष्ट्रों के हाथों में है।

उक्त दोनों यद्यपि चुनी हुई हैं, लेकिन अन्तिम निर्णय लेने की शक्ति निर्वाचित प्रतिनिधियों के हाथों में न होकर विदेशी शक्तियों के हाथ में है। अतः ये सरकारें वास्तविक अर्थ में लोकतांत्रिक.नहीं हैं।

प्रश्न 8.
लोकतंत्र में मंत्री अपने विभाग के नौकरशाह (ब्यूरोक्रेट्स) से ज्यादा प्रभावशाली क्यों होता है?
उत्तर:
लोकतंत्र में मंत्री अपने विभाग के नौकरशाह से अधिक प्रभावशाली होता है क्योंकि-

- मंत्री जनता द्वारा निर्वाचित व्यक्ति होता है।
- वह अपने कार्यों के लिए जनता के प्रति उत्तरदायी होता है, जबकि नौकरशाह जनता के प्रति उत्तरदायी नहीं होता है।

प्रश्न 9.
क्या नियमित चुनाव कराना लोकतांत्रिक शासन की गारंटी है? सउदाहरण स्पष्ट कीजिए।
अथवा
ऐसे दो देशों के उदाहरण दीजिए जहाँ नियमित रूप से चुनाव कराये जाते हैं, किन्तु उन्हें लोकतांत्रिक देश क्यों नहीं कहा जा सकता?
उत्तर:
केवल नियमित चुनाव कराना ही लोकतांत्रिक शासन की गारंटी नहीं है, लोकतंत्र के लिए यह आवश्यक है कि चुनाव नियमित होने के साथ-साथ स्वतंत्र तथा निष्पक्ष भी होने चाहिए। यदि नियमित चुनाव स्वतंत्र तथा निष्पक्ष नहीं हैं, तो उसे वास्तविक लोकतंत्र नहीं कहा जा सकता। उदाहरण के लिए चीन में चुनावों का आयोजन नियमित रूप से होता है, लेकिन चुनाव में भाग लेने वाले उम्मीदवार केवल साम्यवादी दल के ही हो सकते हैं; अन्य दलों को चुनाव में भाग लेने का अधिकार नहीं है। इस प्रकार ये चुनाव स्वतंत्र चुनाव नहीं कहलाये जा सकते क्योंकि इसमें जनता के समक्ष मतदान का कोई अन्य विकल्प ही नहीं होता। उसे अन्ततः शासक दल और उसके द्वारा अनुमोदित प्रत्याशियों में से ही चुनाव कराना होता है।

इसी प्रकार मैक्सिको में 1930 से 2000 तक प्रत्येक चुनाव में पी.आर.आई. ही विजयी होती आयी। यहाँ के चुनावों में विपक्षी दल कभी जीत नहीं पाए क्योंकि पी.आर.ई. चुनाव में गंदे हथकंडे अपनाकर जीतने के लिए कुख्यात थी। ये चुनाव स्वतंत्र तथा निष्पक्ष नहीं होते थे।
अतः यह कहना सही है कि नियमित चुनाव करा लेना ही लोकतांत्रिक शासन की गारण्टी नहीं है।

प्रश्न 10.
लोकतंत्र की प्रमुख विशेषताओं का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।
उत्तर:
लोकतंत्र की प्रमुख विशेषताएँ निम्नलिखित हैं-

- लोकतंत्र शासन का एक रूप है जिसमें जनता शासकों चुनाव करती है।
- लोकतंत्र में अंतिम निर्णय लेने की शक्ति लोगों द्वारा चुने हुए प्रतिनिधियों के पास होती है।
- इसमें स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव होते हैं। ये चुनाव लोगों के सामने वर्तमान शासकों को बदलने का एक विकल्प व अच्छा अवसर प्रदान करते हैं।
- इसमें लोगों को सार्वभौमिक मताधिकार प्राप्त होता है।
- यह राजनैतिक समानता के मौलिक सिद्धान्त पर आधारित होता है।
- एक लोकतांत्रिक सरकार संवैधानिक काननों और नागरिक अधिकारों की सीमाओं के भीतर ही काम करती है।

प्रश्न 11.
लोकतंत्र का मूल्यांकन करने के लिए हमें किन बातों पर ध्यान देना चाहिए? (किन्हीं
तीन का उल्लेख कीजिए।)
उत्तर:
लोकतंत्र का मूल्यांकन-किसी देश में लोकतंत्र के मूल्यांकन के लिए हमें निम्नलिखित बातों पर ध्यान देना चाहिए-

- चुनाव से पूर्व की स्थिति लोकतांत्रिक है या नहीं-चुनाव से पहले दो या दो से अधिक राजनैतिक दलों के साथ सभी के लिए अपनी सामान्य राजनीतिक गतिविधियों को जारी रखने की स्वतंत्रता हो।
- निष्पक्ष, स्वतंत्र व नियमित चुनाव-उस देश में चुनाव नियमित, निष्पक्ष तथा स्वतंत्र रूप से होते हैं।
- अन्तिम निर्णय जनता द्वारा निर्वाचित प्रतिनिधि ही लेते हों-वहाँ अन्तिम निर्णय लेने की शक्ति जनता द्वारा निर्वाचित प्रतिनिधियों के पास हो, अन्य किसी व्यक्ति, व्यक्ति समूह या देश के पास नहीं हो।

प्रश्न 12.
लोकतंत्र किसे कहते हैं? किन्हीं दो गुणों का उल्लेख कीजिये।
अथवा
लोकतंत्र के समर्थन में तीन तर्क दीजिए।
अथवा
लोकतंत्र के किन्हीं तीन गुणों की विवेचना कीजिए।
उत्तर:
लोकतंत्र से आशय-इसके लिए प्रश्न सं. 2 का उत्तर देखें।
लोकतंत्र के गुण-लोकतंत्र के तीन प्रमुख गुण निम्नलिखित हैं-

- अधिक उत्तरदायीपूर्ण शासन-लोकतांत्रिक शासन पद्धति अधिक उत्तरदायी शासन है। लोकतंत्र में यह जरूरी है कि शासन करने वाले, आम लोगों की जरूरतों पर तत्काल ध्यान दें। इसके लिए वे जनता के प्रति जवाबदेह होते हैं।
- बेहतर निर्णय लेने की संभावना-लोकतांत्रिक सरकार में बेहतर निर्णय लेने की अधिक संभावना होती है क्योंकि लोकतंत्र में निर्णय व्यापक चर्चा और वाद-विवाद के बाद ही लिये जाते हैं। इससे गैर-जिम्मेदार फैसलों से बचा जा सकता है।

https://www.evidyarthi.in/

- लोकतंत्र नागरिकों का सम्मान बढ़ाता है-लोकतंत्र में नागरिकों की जो हैसियत होती है, वह किसी और व्यवस्था में नहीं होती।

प्रश्न 13.
लोकतंत्र के विपक्ष में कोई तीन तर्क दीजिये।
उत्तर:
लोकतंत्र के दोष-लोकतंत्र के तीन प्रमुख दोष निम्नलिखित हैं-

- अस्थिरता-लोकतंत्र में सत्ता राजनैतिक दलों के मध्य बदलती रहती है। नेता बदलते रहते हैं। इस कारण राजनैतिक अस्थिरता बनी रहती है।
- निर्णय लेने में देरी-लोकतंत्र में निर्णय व्यापक विचार-विमर्श के बाद लिये जाते हैं। इसमें अनेक लोगों और संस्थाओं से परामर्श होता है। इसलिए इसमें निर्णय लेने में देरी होती है।
- खर्चीली पद्धति तथा भ्रष्टाचार-लोकतंत्र में चुनावी लड़ाई महत्त्वपूर्ण और खर्चीली होती है। इससे भ्रष्टाचार होता है क्योंकि प्रत्येक राजनैतिक दल शासन में आने के लिए ताकत तथा धन का दुरुपयोग करता है।

प्रश्न 14.
लोकतांत्रिक तथा गैर-लोकतांत्रिक चुनावों में अन्तर स्पष्ट करें।
उत्तर:
लोकतांत्रिक तथा गैर-लोकतांत्रिक चुनावों के अन्तर को निम्न तालिका द्वारा स्पष्ट किया गया है-

लोकतांत्रिक चुनाव	गैर-लोकतांत्रिक चुनाव
1. लोकतांत्रिक चुनावों के अन्तर्गत सभी लोगों के पास एक मत और एक मूल्य होता है।	1. गैर-लोकतांत्रिक देशों के अन्तर्गत सभी नागरिकों को मत देने का अधिकार नहीं होता।
2. लोकतंत्र में नियमित अन्तराल में चुनाव होते हैं।	2. गैर-लोकतंत्र में नियमित अन्तराल में चुनाव नहीं होते।
3. लोकतंत्र में स्वतंत्र तथा निष्पक्ष चुनावों की व्यवस्था होती है।	3. गैर-लोकतंत्र देशों में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों की व्यवस्था नहीं होती।

प्रश्न 15.
"1930 में स्वतंत्रता प्राप्ति से लेकर मैक्सिको में हर छः वर्ष बाद नियमित चुनाव होते आ रहे हैं। लेकिन फिर भी इसे लोकतांत्रिक देश नहीं कह सकते।" इस कथन के समर्थन में कोई तीन तर्क दें।
उत्तर:
यद्यपि 1930 से लेकर हर छः वर्ष बाद मैक्सिको में नियमित चुनाव होते आ रहे हैं, तथापि इसे हम वास्तविक लोकतंत्र नहीं कह सकते क्योंकि-
(1) चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष नहीं-मैक्सिको में चुनाव स्वतंत्र तथा निष्पक्ष नहीं होते हैं। चुनाव जीतने के लिए मैक्सिको का सत्ताधारी दल शासन की मशीनरी का अपने पक्ष में दुरुपयोग करता है तथा अन्य गलत तरीके अपनाता है, जिसके कारण अन्य दलों के प्रत्याशी जीत नहीं पाते।

(2) मीडिया का पक्षपातपूर्ण रवैया-यहाँ मीडिया विरोधी राजनैतिक दलों की कार्यविधियों की उपेक्षा करता है और उनकी आलोचना करता है। दूसरी तरफ सत्ताधारी पी. आर. आई. अपने प्रत्याशियों के प्रचार के लिए बहुत अधिक धन खर्च करती है।
(3) मतदान करने में कठिनाई-सत्ताधारी दल द्वारा कभी-कभी पोलिंग बूथ आखिरी मिनट में एक स्थान से दूसरे स्थान पर बदल दिये जाते हैं, जिससे लोगों को अपना मतदान करने में कठिनाई होती है।

प्रश्न 16.
'अन्य शासन व्यवस्थाओं से लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था बेहतर है।' क्यों? स्पष्ट कीजिए।
उत्तर:
लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था शासन की दूसरी व्यवस्थाओं जैसे-राजतंत्र, अधिनायकतंत्र, सैनिकतंत्र आदि से बेहतर है क्योंकि-

- यह अच्छे फैसलों के लिए बेहतर अवसर उपलब्ध कराता है।
- इसमें लोगों की इच्छाओं का सम्मान किए जाने की ज्यादा संभावना है।
- इसमें अलग-अलग तरह के लोग ज्यादा बेहतर ढंग से साथ-साथ रह सकते हैं।
- इसमें गलतियों (गलत निर्णयों व क्रियान्वयनों) को ज्यादा देर छुपाए नहीं रखा जा सकता। इन गलतियों पर सार्वजनिक चर्चा की गुंजाइश लोकतंत्र में है और फिर इनमें सुधार करने की गुंजाइश भी है क्योंकि यदि शासक दल अपने गलत निर्णय को नहीं बदलता है तो आगामी चुनावों में जनता उसे सत्ता से अपदस्थ कर सकती है। गैर-लोकतांत्रिक सरकारों में ऐसा नहीं।
- इसमें सभी नागरिकों को अपेक्षाकृत अधिक सम्मान मिलता है।

प्रश्न 17.
जिंबाब्वे को लोकतांत्रिक क्यों नहीं कहा जा सकता? कोई तीन कारण दें।
उत्तर:
जिंबाब्वे को निम्न कारणों से लोकतांत्रिक नहीं कहा जा सकता-

- निष्पक्ष चुनाव नहीं-यद्यपि जिंबाब्वे में चुनाव नियमित रूप से होते हैं, तथापि सत्ताधारी दल 'जानु-पीएफ' चुनावों में गलत तरीके अपनाकर, चुनाव जीतता है। यह लोकतंत्र के सिद्धान्तों के विरुद्ध है।
- स्वतंत्रता का अभाव-जिंबाब्वे में लोगों को तथा विपक्ष को सरकार की आलोचना करने की स्वतंत्रता नहीं है।
- अभिव्यक्ति के साधनों पर सरकार का नियंत्रण-जिम्बाब्वे में अभिव्यक्ति के साधनों टेलीविजन तथा रेडियो पर सरकार का नियंत्रण है जो कि लोकतंत्र के सिद्धान्तों के विपरीत है। अखबार स्वतन्त्र हैं लेकिन सरकार की आलोचना करने वाले पत्रकारों को परेशान किया जाता है।

प्रश्न 18.
लोकतांत्रिक और गैर-लोकतांत्रिक सरकार में अन्तर स्पष्ट कीजिए।
उत्तर:
लोकतांत्रिक और गैर-लोकतांत्रिक सरकार में प्रमुख अन्तर निम्नलिखित हैं-

- लोकतांत्रिक सरकार में लोग अपने शासकों को स्वयं चुनते हैं और इन निर्वाचित प्रतिनिधियों को अन्तिम निर्णय लेने का अधिकार होता है। दूसरी तरफ गैर-लोकतांत्रिक सरकार में लोगों को शासकों को चुनने का अधिकार नहीं होता तथा निर्वाचित प्रतिनिधियों को अन्तिम निर्णय लेने का अधिकार नहीं होता।
- लोकतंत्र में शासक जनता के प्रति जवाबदेह होता है, लेकिन गैर-लोकतांत्रिक शासन में शासक जनता के प्रति जवाबदेह नहीं होता।

https://www.evidyarthi.in/

- लोकतांत्रिक शासन में लोगों को सार्वभौमिक मताधिकार प्राप्त होता है, लेकिन गैर-लोकतांत्रिक शासन में लोगों को सार्वभौमिक मताधिकार प्राप्त नहीं होता है।
- लोकतांत्रिक शासन संवैधानिक कानूनों तथा नागरिकों के मौलिक अधिकारों की सीमाओं में कार्य करता है, लेकिन गैर-लोकतांत्रिक शासन में ये सीमाएँ नहीं होती। वह तानाशाह होता है तथा अपनी पसंद के अनुसार कार्य करता है।
- लोकतांत्रिक शासन में जनता को शासकों को बदलने का विकल्प होता है, जबकि गैर-लोकतांत्रिक शासन में ऐसा कोई विकल्प जनता के पास नहीं होता।
- लोकतांत्रिक शासन में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता होती है, गैर लोकतांत्रिक शासन में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता नहीं होती।